



NEWSLETTER

शनिवार, 29 जुलाई 2023 | वॉल्यूम - 56

TEXTILE STOCK MARKET UPDATE



चीन: उत्पादन में कमी की उम्मीद से आपूर्ति प्रभावित, घरेलू कपास की कीमतें उच्च स्तर पर.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



GOLD : 59770
SILVER : 74040
CRUD OIL : 6587

"महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में कपास की बुआई में 2 महीने की देरी"

महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले से कमलापुर गांव के जिनर रायभान बवाके जी की एसआईएस से बातचीत के दौरान कॉटन भविष्य के लिए चिंता जाहिर की। रायभान जी पिछले 1 दशक से कॉटन व्यवसाय से जुड़े हैं। अहमदनगर की 3 जिनिंग फैक्ट्री उनके द्वारा संचालित की जाती है, जिसका नाम श्री बालाजी एग्रोटेक है। फैक्ट्री में साल में लगभग 50 हजार बेल्स प्रेसिंग हो जाती है, जो प्रेसिंग कपास ज्यादातर तमिलनाडु और बांग्लादेश की मिल्स को सप्लाय की जाती है।

बुआई के लिए बताया की सीजन 23-24 में महाराष्ट्र के अहमदनगर स्टेशन पर बारिश देर से हुई है जिसके कारण बुआई भी पिछले साल से 2 महीने लेट है। पिछले साल 1 जून तक बुआई शुरू हो गई थी, जो इस साल 15 जुलाई से बुआई शुरू हुई है।

आगे बताया की जिनिंग फैक्ट्री का पूरा भविष्य कपास की पैदावार पे निर्भर करता है कपास का कारोबार करते हुए 1 दशक बित गया पर ऐसी गंभीर स्थिति कभी नहीं देखी जो अब है। हमारे स्टेशन पर सबसे बड़ी समस्या कपास की पैदावार कम होना है। सीड इतना कमजोर हो चूका है की साल दर साल पैदावार कम हो रही है। पहले पर एकड़ 11 से 12 क्विंटल कपास निकलता था जो इस साल घटता नजर आ रहा है अब 5 से 6 क्विंटल कपास भी निकलना मुश्किल लग रहा है। कपास की पैदावार कम होने से फसल की बीमारियां और कीटाणु संक्रमण, पोषक तत्वों की कमी से भी पैदावार कम हो जाती है।

रायभान बवाके (कॉटन जिनर),
श्री बालाजी एग्रोटेक



"कपास सीड के कमजोर होने से बढ़ रही उपज की परेशानी"

देश के प्रमुख राज्य कपास का नया बीज लाने की मांग की जा रही है। कपास देश की प्रमुख फसलों में से एक है आर्थिक दृष्टि से अहम है। जानकारों के मत अनुसार इस वर्ष की कपास की उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में कमी आई है। कॉटन सीड की क्वालिटी पे ध्यान देना होगा। सीड उत्तम क्वालिटी का होगा तो ही कपास क्वालिटी और क्वांटिटी दोनों ही अच्छे होंगे। कपास की उपज बढ़ने के लिए 4 जी सीड को लाना जरूरी है इस वैकल्पिक सीड के लिए सरकार ने सोचना चाहिए। 4 जी सीड आने से कपास की पैदावार बढ़ेगी और कपास की फसल पर कीटाणु संक्रमण का हमला से भी फसल को बचाया जा सकता है। इस साल से हरियाणा सरकार ने 4 जी सीड की अनुमति दे दी है। महाराष्ट्र सरकार ने भी कपास का उत्पादन बढ़ाने के लिए इस पर विचार करना चाहिए। अगर सरकार द्वारा अच्छा बीज नहीं लाया गया तो हमारे क्षेत्र से कपास का उत्पादन बंध ही हो जायेगा। सरकार ने इसकी पैदावार बढ़ाने के लिए कोई ठोस कदम उठाने चाहिए। सरकार ने अच्छे बीज, अच्छे पेस्टीसाइड, बहेतर गाइडेंस देना चाहिए जिससे उत्पादन बढ़ सके।



चीन : आरक्षित कपास की बिक्री 31 जुलाई, 2023 से होगी शुरू।

"केंद्रीय रिजर्व कपास बिक्री के लिए 2023 कार्यान्वयन नियम" जारी करने की घोषणा

2023 में केंद्रीय कपास भंडार की बिक्री में अच्छा काम करने के लिए, चाइना कॉटन रिजर्व मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने "2023 में केंद्रीय रिजर्व कपास की बिक्री के लिए विस्तृत कार्यान्वयन नियम" तैयार किए हैं, जो अब जारी किए गए हैं। आरक्षित कपास की बिक्री 31 जुलाई, 2023 से शुरू होगी।

50
Golden Jubilee Year

Maharashtra Cotton Conference 2023
Celebrating 50 years of excellence - The Jubilee celebration

**"Empowering India's Cotton Industry for Inclusive Growth
Because That's What We Deserve."**

on

9th, 10th September 2023
The Grand Jalsa, NH 6, Ridhora Road,
Akola.

Don't miss the opportunity

Organized by
**The Maharashtra Cotton
Brokers Association, Akola**

Registration fees: **₹5000/- + (18% GST)**
Soon Launching new Website and Payment Gateway
Email ID: mcbaconference2023@gmail.com

Supported by













Media Partner - Smart Info Services

काँटन मार्केट की साप्ताहिक हलचल पर एक नजर

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91119 77771 - 5			
WEEKLY CHART 29.07.2023			
ICE COTTON			
MONTH	21.07.23	28.07.23	WEEKLY CHANGE
DEC	84.48	84.26	-0.22
MARCH	84.43	84.41	-0.02
MAY	84.48	84.45	-0.03
MCX (COTTON)			
AUG	58520	58500	-20
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1534	1539	5
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2408	2311	-97
SEP	2440	2354	-86
DEC	2540	2500	-40
CURRENCY (\$)			
INDIAN (Rupee)	81.95	82.25	0.3
PAK (Pakistani Rupee)	286.553	285.304	-1.249
CNY (Chinese yuan)	7.18759	7.14929	-0.0383
BRAZIL (Real)	4.77793	4.72675	-0.05118
AUSTRALIAN Dollar	1.48611	1.50396	0.01785
MALAYSIAN RINGGITS	4.56098	4.55402	-0.00696
COTLOOK "A" INDEX			
COTLOOK "A" INDEX	94.35	94.9	0.55
BRAZIL COTTON INDEX			
BRAZIL COTTON INDEX	81.52	83.28	1.76
USDA SPOT RATE			
USDA SPOT RATE	79.72	79.67	-0.05
MCX SPOT RATE			
MCX SPOT RATE	57100	58160	1060
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)			
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17700	17935	235
GOLD (\$)			
GOLD (\$)	1963.90	1958.85	-5.05
SILVER (\$)			
SILVER (\$)	24.790	24.47	-0.32
CRUDE (\$)			
CRUDE (\$)	76.83	80.67	3.84

जुलाई माह के चौथे सप्ताह में काँटन के इंटरनेशनल मार्केट में नरमी नजर आया। इंटरनेशनल काँटन एक्सचेंज के दिसंबर 23, मार्च 24 और मई 24 माह के लिए काँटन के भाव 0.22, 0.02 और 0.03 सेंट तक घटे।

भारतीय बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर काँटन के दाम में मामूली गिरावट देखी गई। अगस्त माह के सौदा भाव में 20 रूपए प्रति कैंडी गिर कर 58,500 रूपए पहुंचे।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव इस बार 5 रूपए प्रति 20 किलो तक की बढ़त देखी गई वही खल के भाव में अगस्त, सितम्बर और दिसंबर माह के लिए क्रमशः 97, 86 और 40 रूपए प्रति क्विंटल की मंदी हुई।

अन्य देशों के एक्सचेंज मार्केट पर नजर करें तो काँटलुक "ए" इंडेक्स पर 0.55 अंक की बढ़त आयी, ब्राजील काँटन इंडेक्स पर 1.76 की बढ़त वही एमसीएक्स स्पॉट रेट पर 1,060 अंक की बढ़त दर्ज की गई है। इसके साथ यूएसडीए स्पॉट रेट पर 0.05 की गिरवट देखने को मिली है। पाकिस्तान के केसीए स्पॉट रेट पर सप्ताहांत तक 235 रूपए तक भाव बढ़े।

शेयर मार्केट निवेशकों के लिए मिला-जुला रहा यह सप्ताह

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	361.85	379.9	356.40	-0.33%
अरविद लिमिटेड	129	139.5	124.7	-4.48%
वेलसपन इंडिया	100.31	103.3	99	0.47%
नितिन स्पिनर्स	233.1	249.25	229	-5.44%
रेमण्ड	1899.9	1951	1726.4	6.17%
अक्षिता काँटन	27.13	28.00	25.36	5.98%



वर्ष की पहली छमाही में, घरेलू बाजार की मांग धीरे-धीरे ठीक हो गई, उत्पादन और आपूर्ति में वृद्धि जारी रही, और समग्र आर्थिक संचालन बेहतरी की ओर लौट आया। जून में, तंग आपूर्ति और नए कपास उत्पादन में अपेक्षित कमी जैसे कारकों से प्रभावित होकर, घरेलू कपास की कीमतें महीने की पहली छमाही में तेजी से बढ़ीं, जो महीने के मध्य में एक नई ऊंचाई पर पहुंच गई। 16 तारीख को, चीन का कपास मूल्य सूचकांक (C-Index3128B) बढ़कर 17,540 युआन/टन हो गया; उसके बाद कपड़ा बाजार के ऑफ-सीजन के कारण, तैयार उत्पादों की सूची में वृद्धि हुई, उद्यमों की परिचालन दर में कमी आई, और कपास की कीमतों में गिरावट का संचरण सुचारू नहीं था, इसलिए थोड़ा सुधार हुआ। अंतर्राष्ट्रीय कपास की कीमत में आम तौर पर उतार-चढ़ाव होता रहा और गिरावट आती रही, महीने के अंत में इसमें उछाल आया और घरेलू और विदेशी कपास के बीच कीमत का अंतर बढ़ता रहा। चाइना कॉटन एसोसिएशन का अनुमान है कि 2022 में राष्ट्रीय कपास उत्पादन 6.622 मिलियन टन होगा, जो साल-दर-साल 14.7% की वृद्धि है; आयात 1.6 मिलियन टन होगा, साल-दर-साल 7.4% की कमी; कपास की खपत और निर्यात क्रमशः 7.6 मिलियन टन और 30,000 टन होगा; अंतिम सूची यह 8.912 मिलियन टन थी, जो वर्ष-दर-वर्ष 7.1% की वृद्धि थी।

चीन: उत्पादन में कमी की उम्मीदें आपूर्ति को प्रभावित करती हैं घरेलू कपास की कीमतें वार्षिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं.

1. शिनजियांग में कपास की वृद्धि पिछले वर्षों की तरह अच्छी नहीं है
जून के पहले दस दिनों में, घरेलू व्यापक आर्थिक माहौल गर्म हो गया और बाजार को उम्मीद थी कि कपास की आपूर्ति तंग होगी। वायदा और हाजिर बाजार की कीमतों में वृद्धि जारी रही, और महीने के मध्य और अंत के महीनों में डाउनस्ट्रीम वस्त्रों की मांग कमजोर हो गई।
2. घरेलू कपास की कीमत एक नई वार्षिक ऊंचाई पर पहुंच गई
जून के पहले दस दिनों में, घरेलू व्यापक आर्थिक माहौल गर्म हो गया और बाजार को उम्मीद थी कि कपास की आपूर्ति तंग होगी। वायदा और हाजिर बाजार की कीमतों में वृद्धि जारी रही।
3. वाणिज्यिक मालसूची में गिरावट धीमी हो गई है
जून में, कपड़ा उद्योग पारंपरिक ऑफ-सीजन में था, उद्यमों की परिचालन दर थोड़ी कम हो गई, और केवल मध्यम खरीदारी की गई। घरेलू कपास वाणिज्यिक स्टॉक में महीने-दर-महीने गिरावट जारी रही और गिरावट की दर धीमी हो गई।
4. कपड़ा मांग कमजोर हो जाती है और तैयार उत्पाद सूची बढ़ जाती है
जून में, कपड़ा डाउनस्ट्रीम ऑर्डर धीरे-धीरे कमजोर हो गए, सूती धागे की कीमतें कमजोर हो गईं, कताई के मुनाफे में गिरावट जारी रही, और यहां तक कि नुकसान भी उठाना पड़ा।
5. कपास आयात की मात्रा में कमी आई
सीमा शुल्क के सामान्य प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, मेरे देश ने जून में 83,000 टन कपास का आयात किया, जो महीने-दर-महीने 23.9% और साल-दर-साल 49% की कमी है। मूल देशों में, संयुक्त राज्य अमेरिका अभी भी 60% के साथ पहले स्थान पर है।
6. संबंधित विभाग केंद्रीय आरक्षित कपास के हिस्से की बिक्री का आयोजन करेंगे
18 जुलाई को, संबंधित विभागों ने एक घोषणा जारी की। संबंधित राज्य विभागों की आवश्यकताओं के अनुसार, कपास कताई उद्यमों की कपास की मांग को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए, वे निकट भविष्य में कुछ केंद्रीय आरक्षित कपास की बिक्री का आयोजन करेंगे।

TOP 5

NEWS OF THE WEEK

"कपास बुआई में आने वाली संभावित कमी का अनुमान"

देश में उत्तर भारत में कपास की खेती इस साल स्थिर है। लेकिन देश में अन्य जगहों पर ऐसा लगता है कि खेती कम हो जायेगी। पिछले सीजन में देश में 129 लाख हेक्टेयर में कपास की खेती हुई थी। अनुमान यह भी है कि इस साल यह खेती 126.50 लाख हेक्टेयर तक हो सकती है।

बारिश की कमी ने ओडिशा में कपास किसानों की चिंता बढ़ा दी है

कपास योजना के प्रभारी अधिकारी सुवेंदु कर ने कहा कि काली कपास मिट्टी वाले क्षेत्रों में किसानों को गैप भरने में अतिरिक्त खर्च करना पड़ा है देरी और अनियमित मानसूनी बारिश ने लंबे समय तक सूखे के दौर के अलावा धान की बड़ी कवरेज के कारण जिले में कपास की खेती को प्रभावित किया है। कालाहांडी राज्य में कपास का सबसे बड़ा उत्पादक है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कपास की कीमतों में उछाल को लेकर पीएम मोदी को पत्र लिखा; एमएसएमई को राहत के लिए आयात शुल्क वापस लेने का आग्रह किया

एमएसएमई के लिए व्यापार करने में आसानी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कपास की कीमतों में 'तेज' उछाल की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया और उनसे राहत प्रदान करने के लिए आयात शुल्क वापस लेने का भी अनुरोध किया।

कपास की कीमतें कमजोर होने से आय प्रभावित हुई

कपास की कीमतों में गिरावट और घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से कुल ऑर्डर की मात्रा में गिरावट के साथ, प्रतिस्पर्धी बने रहना डेनिम निर्माताओं के लिए एक चुनौती है। कपास की कीमतों में कमी के कारण, नए ऑर्डर की मात्रा के लिए मूल्य प्राप्ति निचले स्तर पर पहुंच गई है।

गर्मी का प्रकोप जारी रहने से कपास की कीमतों में लगातार पांचवें हफ्ते बढ़त रही

आईसीई कॉटन वायदा में शुक्रवार को लगातार पांचवीं साप्ताहिक वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें मुख्य रूप से टेक्सास के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र में गर्म मौसम के कारण आपूर्ति चिंताओं से मदद मिली। इस सप्ताह अब तक अनुबंध में लगभग 0.2% की वृद्धि हुई है।

कॉटन फिजिकल मार्केट जुलाई माह के आखरी सप्ताह में कॉटन के भाव में अधिक उतार - चढ़ाव देखा गया।

यह सप्ताह कॉटन फिजिकल मार्केट के लिए तेजी-मंदी वाला रहा वाला रहा। नार्थ, सेंट्रल और साउथ तीनों ही झोन में कॉटन के भाव में तेजी-मंदी देखी गई।

नार्थ झोन पंजाब में सबसे कम 25 रुपए प्रति मंड की गिरावट देखी गई अपर राजस्थान में सबसे ज्यादा 75 रुपए प्रति मंड की मंदी देखी गई। हरयाणा में कॉटन के भाव 5,750 से 5,850 देखे गए, सोमवार के मुकाबले 50 रुपए तक भाव गिरे।

वही सेंट्रल झोन के महाराष्ट्र राज्य में सबसे ज्यादा 1,500 रुपए प्रति कैंडी की बढ़त देखने को मिली। जबकि गुजरात में 1000 रुपए तक की तेजी हुई, मध्य प्रदेश में स्थिरता देखी गई।

साउथ झोन में भी मार्केट में बढ़त जारी रही। सबसे ज्यादा तेलंगाना 1,800 रुपए प्रति कैंडी तक की बढ़त देखी जबकि आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में 1500 रुपए की तेजी देखी। ओडिशा में 1,300 रुपए तेजी देखी।

STATE		24.07.23		29.07.23		AVERAGE PRICE
STAPLE LENGTH		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
NORTH ZONE						
PUNJAB	28.5	5,950	6,050	5,925	6,025	-25
HARYANA	27.5/28	5,800	5,900	5,750	5,850	-50
UPER RAJASTHAN	28	6,050	6,225	6,050	6,150	-75
CENTRAL ZONE						
GUJARAT	29	56,500	57,500	57,800	58,500	1,000
MADHYA PRADESH	29	57,000	57,500	57,000	57,500	0
MAHARASHTRA	29 vid.	56,500	57,000	57,500	58,500	1,500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
SOUTH ZONE						
ODISHA	29.5	57,900	58,000	59,200	59,300	1,300
KARNATAKA	29.5/30 mm	57,000	57,500	58,500	59,000	1,500
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	58,000	58,500	59,500	60,000	1,500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,500	58,000	59,000	59,800	1,800
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						



SMART INFO SERVICES

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77775

DATE: 29.07.2023

WEEKLY COTTON BALES MARKET



NEWSLETTER

Saturday, 29 July 2023 | Volume - 56



China: Supply hit by expectation of reduction in production, domestic cotton prices at higher level.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



**GOLD : 59770
SILVER : 74040
CRUD OIL : 6587**

"Cotton sowing delayed by 2 months in Maharashtra's Ahmednagar district"

Jinar Raibhan Bawake ji of Kamlapur village from Ahmednagar district of Maharashtra expressed concern for the future of cotton during his conversation with SIS. Raibhan ji has been associated with the cotton business for the last 1 decade. Ahmednagar has 3 ginning factories operated by them, namely Shree Balaji Agrotech. About 50 thousand bales are pressed in the factory in a year, and pressing cotton is mostly supplied to the mills of Tamil Nadu and Bangladesh.

For sowing, it was told that in season 23-24, there has been late rains at Ahmednagar station in Maharashtra, due to which sowing is also been delayed by 2 months from last year. Sowing started on June 1 last year, which started on July 15 this year.

Further told that the entire future of the ginning factory depends on the yield of cotton, 1 decade has been spent doing cotton business but never seen such a serious situation as it is now. The biggest problem at our station is the low yield of cotton. The seed has become so weak that the yield is decreasing year by year. Earlier, 11 to 12 quintals of cotton used to be produced per acre, which seems to be decreasing this year, now even 5 to 6 quintals of cotton is finding difficult to extract. Due to the low yield of cotton crop diseases and bacterial infection, lack of nutrients also reduces the yield.

Raibhan Bawake (cotton ginner),
Shree Balaji Agrotech



"The problem of increasing yield due to the weakness of cotton seed"

Major states of the country are demanding to bring a new cotton seed. Cotton is one of the major crops of the country and is important from an economic point of view. According to experts, the production and quality of this year's cotton have decreased. Attention has to be paid to the quality of cotton seed. Only if the seed is of good quality, both the quality and quantity of cotton will be good. To increase the yield of cotton, it is necessary to bring 4G seed, the government should think about this alternative seed. With the introduction of 4G seed, the yield of cotton will increase and the cotton crop can also be saved from the attack of bacterial infection. This year Haryana government has permitted 4G seed. The Government of Maharashtra should also consider this to increase the production of cotton. If the good seed is not brought by the government, then the cotton production in our region will stop. The government should take some concrete steps to increase its production. The government should provide good seeds, good pesticides, and better guidance so that production can increase.



China: Sale of reserved cotton to begin from July 31, 2023.

"Announcement on the release of the 2023 Implementation Rules for Central Reserve Cotton Sales"

In order to do a good job in the sales of central cotton reserves in 2023, China Cotton Reserve Management Co., Ltd. has formulated the "Detailed Implementation Rules for the Sales of Central Reserve Cotton in 2023", which is now released. Sales of reserve cotton will begin on July 31, 2023.

50
Golden Jubilee Year

Maharashtra Cotton Conference 2023
Celebrating 50 years of excellence - The Jubilee celebration

**"Empowering India's Cotton Industry for Inclusive Growth
Because That's What We Deserve."**

on

9th, 10th September 2023
The Grand Jalsa, NH 6, Ridhora Road,
Akola.

Don't miss the opportunity

Organized by
**The Maharashtra Cotton
Brokers Association, Akola**

Registration fees: **₹5000/- + (18% GST)**
Soon Launching new Website and Payment Gateway
Email ID: mcbaconference2023@gmail.com

Supported by













Media Partner - Smart Info Services 

It was a mixed week for stock market investors

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOW PRICE	MOVEMENT
VARDHMAN TEXTILE LIMITED	361.85	379.9	356.40	-0.33%
ARVIND LIMITED	129	139.5	124.7	-4.48%
WELSPUN INDIA	100.31	103.3	99	0.47%
NITIN SPINNERS	233.1	249.25	229	-5.44%
RAYMOND	1899.9	1951	1726.4	6.17%
AXITA COTTON	27.13	28.00	25.36	5.98%

A look at the weekly movement of the cotton market

SMART INFO SERVICES			
CALL : 91119 77771 - 5			
WEEKLY CHART 29.07.2023			
ICE COTTON			
MONTH	21.07.23	28.07.23	WEEKLY CHANGE
DEC	84.48	84.26	-0.22
MARCH	84.43	84.41	-0.02
MAY	84.48	84.45	-0.03
MCX (COTTON)			
AUG	58520	58500	-20
NCDEX (KAPAS)			
APRIL	1534	1539	5
NCDEX (COCUD KHAL)			
AUG	2408	2311	-97
SEP	2440	2354	-86
DEC	2540	2500	-40
CURRENCY (\$)			
INDIAN (Rupee)	81.95	82.25	0.3
PAK (Pakistani Rupee)	286.553	285.304	-1.249
CNY (Chinese yuan)	7.18759	7.14929	-0.0383
BRAZIL (Real)	4.77793	4.72675	-0.05118
AUSTRALIAN Dollar	1.48611	1.50396	0.01785
MALAYSIAN RINGGITS	4.56098	4.55402	-0.00696
COTLOOK "A" INDEX			
COTLOOK "A" INDEX	94.35	94.9	0.55
BRAZIL COTTON INDEX			
BRAZIL COTTON INDEX	81.52	83.28	1.76
USDA SPOT RATE			
USDA SPOT RATE	79.72	79.67	-0.05
MCX SPOT RATE			
MCX SPOT RATE	57100	58160	1060
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)			
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	17700	17935	235
GOLD (\$)			
GOLD (\$)	1963.90	1958.85	-5.05
SILVER (\$)			
SILVER (\$)	24.790	24.47	-0.32
CRUDE (\$)			
CRUDE (\$)	76.83	80.67	3.84

In the fourth week of July, there was a softening in the international cotton market. Cotton prices for the months December 23, March 24 and May 24 at the International Cotton Exchange declined by 0.22, 0.02 and 0.03 cents, respectively.

In the Indian market, a slight decline was seen in the price of cotton on the Multi Commodity Exchange (MCX). In August, the bargain price fell by Rs. 20 per candy to Rs. 58,500.

Cotton prices on NCDX have seen an increase of up to Rs. 5 per 20 kg this time, while the prices of Khal have declined by Rs. 97, 86 and 40 per quintal respectively for the months of August, September and December.

Looking at the exchange market of other countries, the Cotlook "A" index gained 0.55 points, the Brazil Cotton index gained 1.76 points, while the MCX spot rate gained 1,060 points. With this, there has been a fall of 0.05 on the USDA spot rate. At the KCA spot rate of Pakistan, the price increased up to Rs 235 by the end of the week.



In the first half of the year, domestic market demand gradually recovered, production and supply continued to increase, and overall economic operations returned to the positive side. In June, domestic cotton prices rose sharply in the first half of the month, hitting a new high in the middle of the month, influenced by factors such as tight supplies and an expected decrease in new cotton production. On the 16th, China's cotton price index (CCIndex3128B) rose to 17,540 yuan/ton; After that, due to the off-season of the textile market, the inventory of finished products increased, the operating rate of enterprises decreased, and the transmission of the decline in cotton prices was not smooth, so there was a slight improvement. International cotton prices generally fluctuated and declined, rebounded towards the end of the month, and the price gap between domestic and overseas cotton continued to widen. The China Cotton Association estimates that the national cotton output will be 6.622 million tons in 2022, an increase of 14.7% year-on-year; Imports will be 1.6 million tons, a decrease of 7.4% year-on-year; Cotton consumption and exports would be 7.6 million tonnes and 30,000 tonnes, respectively; The final inventory was 8.912 million tonnes, an increase of 7.1% year-on-year.

China: *Expectations of production cut hit supply Domestic cotton prices hit annual high.*

1. Cotton growth in Xinjiang is not as good as in previous years

In the first ten days of June, the domestic macroeconomic environment warmed and the market expected cotton supplies to be tight. Futures and spot market prices continued to rise, and downstream textile demand weakened in the middle and end of the month.

2. Domestic cotton prices hit a new yearly high

In the first ten days of June, the domestic macroeconomic environment warmed and the market expected cotton supplies to be tight. The futures and spot market prices continued to rise.

3. Decline in commercial inventories slows down

In June, the textile industry was in the traditional off-season, the operating rate of enterprises decreased slightly, and only moderate purchases were made. The month-on-month decline in domestic cotton commercial stocks continued and the rate of decline slowed.

4. Textile demand weakens and finished product inventories rise

In June, textile downstream orders gradually weakened, cotton yarn prices weakened, spinning profits continued to decline, and even suffered losses.

5. The amount of cotton imports decreased

According to statistics from the General Administration of Customs, my country imported 83,000 tons of cotton in June, a decrease of 23.9% month-on-month and 49% year-on-year. Among countries of origin, the United States still ranks first with 60%.

6. The departments concerned will organize the sale of their share of the central reserve cotton

On July 18, the relevant departments issued an announcement. According to the requirements of relevant state departments, in order to better meet the cotton demand of cotton spinning enterprises, they will organize the sale of some central reserve cotton in the near future.

TOP 5 NEWS OF THE WEEK

"Estimation of possible shortfall in cotton sowing"

In the country, cotton cultivation in North India is stable this year. But in other places in the country it seems that cultivation will reduce. In the last season, cotton was cultivated in 129 lakh hectares in the country. It is also estimated that this year this farming can be done up to 126.50 lakh hectares.

Lack of rain worries cotton farmers in Odisha

Suwendu Kar, officer-in-charge of the cotton scheme, said that farmers in black cotton soil areas have had to spend extra to fill the gap, delayed and erratic monsoon rains have contributed to the decline in cotton production in the district due to the large coverage of paddy besides prolonged dry spells. Agriculture has been affected. Kalahandi is the largest producer of cotton in the state.

Tamil Nadu Chief Minister writes to PM Modi regarding the spurt in cotton prices; Urges to withdraw import duty for relief to MSMEs

Ease of doing business for MSMEs: Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin on Wednesday wrote to Prime Minister Narendra Modi, drawing his attention to the 'sharp' rise in cotton prices and also to roll back import duty to provide relief to them. the requested.

Weak cotton prices hit earnings

With cotton prices falling and overall order volumes from domestic and international markets falling, staying competitive is a challenge for denim manufacturers. Due to reduction in cotton prices, price realization for new order quantity has touched a lower level.

Cotton prices rise for fifth week in a row as heat wave continues

ICE cotton futures posted a fifth straight weekly gain on Friday, mainly helped by supply concerns due to warm weather in the key growing region of Texas. The contract is up about 0.2% so far this week.

Cotton Physical Market The last week of July saw more volatility in cotton prices.

It has been a bullish-bearish week for the cotton physical market. In all the three zones North, Central and South, cotton prices witnessed a boom and bust.

North zone Punjab saw the lowest decline of Rs 25 per mand while Upper Rajasthan saw the maximum decline of Rs 75 per mand. Cotton prices in Haryana were seen at 5,750 to 5,850, falling by Rs 50 as compared to Monday.

Maharashtra state of the Central Zone saw the highest increase of Rs 1,500 per candy. While Gujarat gained up to Rs 1000, Madhya Pradesh witnessed stagnation.

The market continued to grow in the South Zone as well. Telangana saw the highest increase of up to Rs 1,800 per candy, while Andhra Pradesh and Karnataka saw a rise of Rs 1,500.

Odisha saw a gain of Rs 1,300.

STATE		STAPLE LENGTH		24.07.23		29.07.23		AVERAGE PRICE
		LOW	HIGH	LOW	HIGH			
SMART INFO SERVICES india.smartinfo@gmail.com Call : 91119 77775								
DATE: 29.07.2023								
WEEKLY COTTON BALES MARKET								
NORTH ZONE								
PUNJAB	28.5	5,950	6,050	5,925	6,025			-25
HARYANA	27.5/28	5,800	5,900	5,750	5,850			-50
UPER RAJASTHAN	28	6,050	6,225	6,050	6,150			-75
CENTRAL ZONE								
GUJARAT	29	56,500	57,500	57,800	58,500			1,000
MADHYA PRADESH	29	57,000	57,500	57,000	57,500			0
MAHARASHTRA	29 vid.	56,500	57,000	57,500	58,500			1,500
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775								
SOUTH ZONE								
ODISHA	29.5	57,900	58,000	59,200	59,300			1,300
KARNATAKA	29.5/30 mm	57,000	57,500	58,500	59,000			1,500
ANDHRA PRADESH	29.5/30 mm	58,000	58,500	59,500	60,000			1,500
TELANGANA	29.5/30 mm 78-80 RD	57,500	58,000	59,000	59,800			1,800
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.								
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy								